आज अग्रवाल महाविद्यालय में स्वामी विवेकानंद मंच के तत्वावधान में स्वामी विवेकानंद जी के जीवन से संबंधित विषयों पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. कृष्णकान्त गुप्ता विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रेरणादायक वक्ताओं को बुलाकर महाविद्यालय में इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन कराते रहते हैं।

कार्यक्रम का मार्गदर्शन महाविद्यालय की अंग्रेज़ी विभागाध्यक्षा श्रीमती कमल टंडन के दिशा निर्देशन में किया गया।

आज के मुख्य अतिथि श्री जगदीश चौधरी, प्रधान, ग्रीन इंडिया फाऊंडेशन ट्रस्ट ने विद्यार्थियों को अपने उद्‌बोधन में मनुष्य के तीन स्तरों के बारे में बताया जो उन्हें एक पशु और मनुष्य में अंतर बताते हैं पहला स्तर है व्यक्तिगत चेतना, दूसरा सामूहिक चेतना तथा तीसरा है ब्रह्मांडीय चेतना।

मनुष्य को अपनी चेतना को ब्रह्मांडीय चेतना तक लेकर जाना चाहिए ताकि उसका जीवन सफल हो सके।

श्रीमती रेखा सेन ने अतिथि को पौधा भेंट कर उनका स्वागत किया तथा विद्यार्थियों को स्वामी विवेकानंद जी से प्रेरित होकर अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सद्‌मार्ग पर चलते हुए अपने कर्म करते रहने की प्रेरण दी।

बी.कॉम की छात्रा रिंकी ने मंच का संचालन किया। स्वामी विवेकानंद जी की जीवन शैली के बारे में बताया। बी.कॉम तृतीय वर्ष की छात्रा नीतू ने सभी के साथ स्वामी विवेकानंद कार्यशाला का अनुभव सांझा किया। कुछ विद्यार्थियों द्वारा नुक्कड नाटक प्रस्तुत किया गया जिसमें उन्होंने स्वामी विवेकानंद जी के जीवन का एक किस्सा प्रस्तुत किया। जिसका संदेश था की जातीवाद से हटकर मनुष्य को समाज कल्याण की भावना से काम करना चाहिए। बी.कॉम की छात्रा अंजली ने एक कहानी द्वारा स्वामी विवेकानंद जी के बारे में बताया कि मनुष्य को अपने लक्षय प्राप्ति के लिए सहि मार्ग पर चलते रहना चाहिए उसमें आने वाली बाधाओं से अपने मार्ग से नहीं भटकना चाहिए। शालिनी, ज्योति, आंचल इत्यादि छात्राओं ने इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में भाग लिया। अंत में डॉ. रेखा सेन ने सभी का धन्यवाद किया।